अध्याय 6
निष्कर्ष और सिफारिशें

6.1. निष्कर्ष

ओएनजीसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा उत्पादक है जो देश के उत्पादन का 69 प्रतिशत उत्पादित करता है। कम्पनी के महत्वपूर्ण प्रयास और संसाधन इसके अपतट और तटवर्ती परिसम्पत्तियों से कच्चे तेल के उत्पादन के संवर्धन के लिए लगाए गए है। कम्पनी द्वारा उसके निष्पादन के निर्धारण और निगरानी के लिए कच्चे तेल के उत्पादन का सटीक मापन और सूचित करना काफी महत्वपूर्ण है।

कच्चे तेल के मापन और रिपोर्टिंग प्रणाली की लेखापरीक्षा से पता चला कि कम्पनी अपने कच्चे तेल के उत्पादन के रूप में आंशिक रूप से स्थायीकृत कच्चे तेल की सूचना दे रहा था। इसके कारण कच्चे तेल के अलावा अन्य मदों नामतः आफ गैस, बीएसएवंडब्ल्यू और प्राप्ति योग्य आन्तरिक खपत को कच्चे तेल के उत्पादन में शामिल करते हुए अधिक बता रहा था। इसी समय, कम्पनी ने अनुचित रूप से कच्चे तेल के उत्पादन के रूप में 'कंडंसेट' का उत्पादन बताया था जबकि दोनो उत्पाद भिन्न थे और कम्पनी द्वारा अलग माने जा रहे थे। अपतट और तटवर्ती क्षेत्रों में अधिक रिपोर्टिंग और गलत रिपोर्टिंग का सार नीचे दिया गया हैः

तालिका-6: वास्तविक उत्पादन की तुलना में बताए गए कच्चे तेल का उत्पादन

वि.व	यूनिट	प्रति एमओयू (आर) के रूप में कम्पनी द्वारा बताए गए कच्चे तेल का उत्पादन (कंडंसेट सहित)	आर में बीएस एवं डब्ल्यू की मात्रा	आर में आफ गैस की मात्रा	आर में वसूली योग्य आन्तरिक खपत की मात्रा	आर को अधिक बताना	आर के उत्पादन में गलत तरीकेसे कंडंसेट की मात्रा शामिल की गई
		1	2	3	4	5= 2+3+4	6
2010-11	एमटी	27282278	1455148	268103	29073	1752324	1955360
2011-12	एमटी	26925347	1373034	263813	26302	1663149	2008340
2012-13	एमटी	26127115	655562	259128	39507	954197	2109810
2013-14	एमटी	25994106	843520	263717	32122	1139359	1828311
2014-15	एमटी	25942270	841871	271136	29671	1142678	1446798
कुल	**एमटी**	**132271116**	**5169135**	**1325897**	**156675**	**6651707**	**9348619**
कच्चे तेल के रूप में बताई गई अन्य मदों को कच्चे तेल के उत्पादन की बताई गई प्रतिशतता के रूप में दर्शाया गया है।			**3.91%**	**1%**	**0.12%**	**5.03%**	**7.07%**

जैसा कि उपरोक्त तालिका से देखा जा सकता है, बताए गए 12.1 प्रतिशत कच्चे तेल के उत्पादन में कच्चे तेल के अलावा अन्य मदें शामिल हैं। इनमें से मूल अवसाद और जल (3.91 प्रतिशत) का कोई आर्थिक मूल्य नहीं हैं। कच्चे तेल के उत्पादन को अधिक बताने और गलत बताने से कम्पनी की कच्चे तेल के उत्पादन की निष्पादन की गलत छवि प्रस्तुत की गई और इसके कारण कम्पनी को 2012 से 2015 तक के वर्षों के दौरान ₹18,787.43 करोड़ की अतिरिक्त आर्थिक सहायता भार को साझा करना पड़ा। इसके अलावा, कच्चे तेल के उत्पादन को अधिक बताने (बीएसएवंडब्ल्यू और आफ गैस) के परिणामस्वरूप कम्पनी के कार्यकारी और स्टाफ को निष्पादन संबंधी वेतन (पीआरपी) का अधिक भुगतान हुआ क्योंकि 2013-14 के लिए कम्पनी की एमओयू रेंकिंग कच्चे तेल के उत्पादन को अधिक बताने से वास्तविक 'बहुत अच्छे' (जहां पीआरपी की योग्यता 80 *प्रतिशत* थी) से बढ़ कर 'उत्कृष्ट' (जहां पीआरपी की योग्यता 100 *प्रतिशत*) हो गई थी।

फील्डस पुराने होने के साथ (अधिकतर 30 वर्ष से अधिक पुराने हैं) वहां वाटर कट में वृद्धि हुई थी। इसके साथ उत्पादन अधिष्ठापन पर पर्याप्त संभलाई/संसाधन सुविधाओं की कमी के परिणामस्वरूप कच्चे तेल में बीएसएवंडब्ल्यू और आफ गैस का उच्च अनुपात हुआ। तथापि, कम्पनी ने पूरी तरह से इन घटकों के समायोजन के बिना कच्चे तेल के उत्पादन के बारे में बताया था। इस तथ्य पर विचार करते हुए कि फील्डस के प्रगतिशील रूप से पुराने होने के साथ बीएसएवंडब्ल्यू अनुपात में वृद्धि होने की संभावना है, कच्चे तेल के लिए उचित मापन प्रणाली अपनाने की आवश्यकता है ताकि कच्चे तेल का उत्पादन बताने से पूर्व इन घटकों को उचित रूप से समायोजित किया जा सके।

मापन प्रथाओं में भी विसंगतियां पाई गई थी। पश्चिमी अपतट में, अपतट प्लेट फार्म में बताई गई मापन उत्पादन मात्रा वास्तविक बिक्री मात्रा से अधिक थी जिसमें बंद पाईपलाईन में कच्चे तेल के परिवहन के दौरान आई मात्रा में काफी अन्तर था। जहां मापन तापमान की समान परिस्थिति के अन्तर्गत पाईपलाईन के दोनों सिरों से लिया जाता है, वहां ऐसा अन्तर उठाया जाना प्रत्याशित नहीं है। अन्तरों के कारणों की जांच और सुधारात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। लेखापरीक्षा को कम्पनी द्वारा ऐसी किसी कार्रवाई का कोई रिकार्ड उपलब्ध नहीं कराया गया था। इसके अलावा, कम्पनी द्वारा अपतट परिसम्पत्तियों से बताई गई उत्पादन मात्रा के लेखापरीक्षा ट्रेल (या तो इलेक्ट्रानिक या प्रत्यक्ष रूप में) का अनुरक्षण नहीं किया गया था और अतः लेखापरीक्षा इन बताई गई मात्राओं की यथार्थता को सत्यापित नहीं कर सका। अपतट क्षेत्रों में, यह पाया गया कि समाधित अधिक उत्पादन, बताए गए कच्चे तेल के अंतिम स्टाक की फर्जी वृद्धि, कच्चे तेल की चोरी की गलत रिपोर्टिंग और भंडार के रूप में गैर मौजूदा पिट तेल बताना अपनाया गया था। कम्पनी ने आश्वासन दिया कि इस संबंध में सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

कम्पनी में कच्चे तेल के उत्पादन के लिए मापन और मीटरिंग प्रणाली के साथ साथ रिपोर्टिंग प्रणाली में भी कई कमियां थी। लेखापरीक्षा ने पाया कि कम्पनी के पास मीटरिंग और मापन प्रणाली के लिए मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) नहीं है और विभिन्न परिसम्पत्तियां (विशेष रूप से पश्चिमी तटवर्ती पर) भिन्न मापन प्रथाओं का अनुसरण कर रहे थे। यद्यपि 2010 से सभी तटवर्ती उत्पादन अधिष्ठापनों में एससीएडीए प्रणाली संस्थापित की गई थी जिसका उद्देश्य हस्त हस्तक्षेप/ परिवर्तन के बिना इलैक्ट्रानिक साधनों के माध्यम से एकल बिन्दु मापन और आईसीई-एसएपी-ईआरपी डाटा के साथ अधिग्रहित डाटा के एकीकरण, मापन कच्चे तेल के टैंकों के मैनुअल डिप्स के आधार पर लगातार किया जाना था। मैनुअल डिप्स की सटीकता कम्पनी की मापाकंन अनुसूची

के गैर अनुपालन के कारण सुनिश्चित नहीं की जा सकी। तथ्य यह है, ऐसे दृष्टांत पाए गए जहां 1970 में अधिष्ठापित कच्चे तेल के टैंकों को अभी साफ नहीं किया गया था या पांच वर्षों के निर्धारित मापांकन कार्यक्रम के प्रति पुनः मापांकिता किया गया था। लेखापरीक्षा में बताए जाने पर, कम्पनी ने एसओपी के निरूपण, एससीडीए के परिचालन और उसे आईसीई-एसएपी-ईआरपी के साथ एकीकृत करने के द्वारा सुधारात्मक उपाय प्रारंभ किए और कच्चे तेल के टैंकों की मरम्मत, अनुरक्षण, सफाई और पुनः मापांकन प्रारंभ किया।

6.2. सिफारिशें

- बंद पाईपलाईन प्रणाली के माध्यम से कच्चे तेल के पारगमन के दौरान हानि/लाभ की ध्यान से निगरानी की जानी चाहिये, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भिन्नता सामान्य श्रेणी की है और सुधारात्मक कार्यवाही हेतु असामान्य हानि/लाभ का पता लगाया जा सके। ऐसे समाधान और निगरानी के साथ-साथ सुधारात्मक कार्यवाही पर्याप्त रूप से प्रलेखित की जानी चाहिये।

- कच्चे तेल के उत्पादन के मापन के लिये परिसंपत्ति-विशिष्ट मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई और समयबद्ध तरीके से सभी तटवर्ती परिसंपत्तियों में क्रियान्वित की जा सकती हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कंपनी के सभी उत्पादन अधिष्ठापनों में समान मापन प्रथाओं का पालन किया जा रहा है। कच्चे तेल की आंतरिक खपत को 'वापस पाने योग्य' और 'वापस न पाने योग्य' में विभाजित करने के लिए परिसंपत्ति विशिष्ट दिशानिर्देश बनाये जा सकते हैं और 'वापस पाने योग्य' मात्रा को कच्चे तेल के उत्पादन के रूप में शामिल नहीं किया जा सकता है। कच्चे तेल की पारगमन हानि के लिये प्रतिमान निर्धारित किए जाने चाहिये और असामान्य पारगमन हानि के मामलों की जांच होनी चाहिये और राजस्व हानि से बचने के लिये सुधारात्मक कार्यवाही की जानी चाहिये।

- कंपनी को अपनी माप की सटीकता सुनिश्चित करने के लिये दोनों अपतटीय और तटवर्ती परिसंपत्तियों में, स्टोरेज टैंक और मास फ्लोमीटर, टर्बाइन मीटर, ऑटो सेम्पलर आदि जैसी सभी कच्चे तेल मापने के उपकरणों की जांच के लिये निर्धारित नियत अनुसूची का सख्ती से पालन करना चाहिये।

- उत्पादन के विभिन्न स्तरों पर कच्चे तेल के मापन के समर्थन में इलैक्ट्रॉनिक और प्रत्यक्ष ट्रेल बनाई जानी चाहिये ताकि उनकी सटीकता के संबंध में आश्वासन प्राप्त किया जा सके। सभी उत्पादन अधिष्ठापनों में संस्थापित एससीएडीए को डाटा प्राप्त करने और मैनुअल हस्तक्षेप कम करने और दी गई जानकारी की सटीकता को सुधारने के लिये आईसीई-एसएपी ईआरपी प्रणाली के साथ एकीकृत किया जा सकता हैं। उनके मैनुअल हेरफेर की संभावना रोकने के लिये, अपतटीय परिसंपतियों की प्रणाली के अनुसार तटवर्ती परिसंपत्ति के लिये उत्पादन रिपोर्ट एसएपी-पीआरए माड्यूल के माध्यम से बनाई जानी चाहिए।

- कम्पनी कंडंसेट को अलग स्ट्रीम के रूप में रिपोर्ट कर सकती है जैसा अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारों का मत है।

- कम्पनी को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि कच्चे तेल के अतिरिक्त मदें, नामतः कंडनसेट, ऑफ गैस, मूल अवसादन और पानी आदि की कच्चे तेल के उत्पादन के रूप में रिपोर्टिंग नहीं की जानी चाहिये। उत्पादन बिन्दु में कच्चे तेल को सटीकता से मापने में प्रबंधन/मंत्रालय द्वारा बताई गई कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुये, उत्पादन रिपोर्टिंग बिंदु को उचित स्थान पर अन्तरित करने का मामला नजर आता है जहां स्थिर कच्चा तेल (बीएसएंडडब्ल्यू, आफ गैस और कंडंसेट को छोड़कर) उचित रूप से मापा जा सकता है।

(एच. प्रदीप राव)
उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक एवं अध्यक्ष,
लेखापरीक्षा बोर्ड

नई दिल्ली
दिनांक 19 जुलाई 2016

प्रतिहस्ताक्षरित

(शशि कान्त शर्मा)
भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक

नई दिल्ली
दिनांक 19 जुलाई 2016